आयुष्मान भवः अभियान

[स्रोत: द हिंदू](#)

सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (Universal Health Coverage- UHC) हासिल करने तथा सभी के लिये स्वास्थ्य देखभाल सुनिश्चित करने की दिशा में एक कदम के रूप में भारत के राष्ट्रपति ने वर्चुअली **आयुष्मान भवः अभियान** और **आयुष्मान भवः पोर्टल** लॉन्च किया।

- इस पहल का उद्देश्य **सभी की स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच सुनिश्चित करना और वंचित आबादी तक इसकी पहुँच व सामर्थ्य को सुदृढ़** करना है।
- यह अभियान स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच में वृद्धि करने के लिये भारत के डिजिटल समावेशन प्रयासों का लाभ उठाते हुए **प्रमुख स्वास्थ्य योजनाओं व बीमारियों के बारे में जागरूकता भी बढ़ाता है।**
- **'सेवा पखवाड़ा'** के दौरान **'आयुष्मान भवः'** अभियान को पूरे देश और पूरे समाज के दृष्टिकोण के साथ लागू किया जाएगा।

नोट:

- सेवा पखवाड़ा दो सप्ताह तक चलने वाली एक पहल है (17 सितंबर से 2 अक्तूबर, 2023 तक) जिसका उद्देश्य राज्य-स्तरीय प्रमुख स्वास्थ्य सेवा कार्यक्रमों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है।

भारत के स्वास्थ्य सेवा परिदृश्य पर आयुष्मान भवः अभियान का प्रभाव:

- **सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज लक्ष्य:**
  - यह अभियान सहयोगात्मक, बहु-मंत्रालयी दृष्टिकोण पर आधारित है।
  - आयुष्मान भवः **"सबका साथ सबका विकास"** के आदर्शों के अनुरूप है।
  - यह समावेशिता पर केंद्रित है जो सुनिश्चित करती है कि हर किसी को स्वास्थ्य सेवा तक पहुँच प्राप्त हो।
- **आयुष्मान भवः के तीन प्रमुख घटक:**
  - **आयुष्मान- आपके द्वार(AAD) 3.0**: यह **पात्र लाभार्थियों को स्वयं/परिवार के किसी भी सदस्य के लिये आयुष्मान कार्ड बनाने में सक्षम** करेगा।
    - यह स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच और लाभों को सुव्यवस्थित करता है।
  - **HWC और CHC में आयुष्मान मेले:**
    - **स्वास्थ्य और कल्याण केंद्रों** (Health Melas and Medical Camps- HWC) तथा सामुदायिक स्वास्थ्य क्लीनिकों (CHC) में साप्ताहिक स्वास्थ्य मेले व चिकित्सा शिविर का आयोजन।
    - गैर-संचारी रोगों की जाँच, टेली-परामर्श, मुफ्त दवाएँ और निदान सहित सुपर-स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं की डिलीवरी को प्राथमिकता।
  - **आयुष्मान सभाएँ:**
    - **आयुष्मान सभा** एक समुदाय-स्तरीय सभा है, जिसका नेतृत्व **ग्रामीण क्षेत्रों में ग्राम स्वास्थ्य और स्वच्छता समिति** (Village Health and Sanitation Committee- VHSNC) अथवा **शहरी वार्डों में वार्ड समिति/नगरपालिका सलाहकार समिति** (Municipal Advisory Committee - MAC) द्वारा किया जाता है।
    - इसका प्राथमिक लक्ष्य व्यापक स्वास्थ्य कवरेज और इष्टतम स्वास्थ्य सेवा वितरण सुनिश्चित करना है।
  - **आयुष्मान ग्राम पंचायतें:** स्वास्थ्य देखभाल उद्देश्यों को सफलतापूर्वक पूरा करने वाली ग्राम पंचायतों को **आयुष्मान ग्राम पंचायत** का दरजा प्राप्त प्रदान किया जाएगा।
    - यह स्थानीय भागीदारी और समर्पण को प्रोत्साहित करता है।

स्वास्थ्य सेवा से संबंधित हालिया सरकारी पहलें:

- राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन
- आयुष्मान भारत
- प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY)
- राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग
- प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम
- जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK)
- राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK)

UPSC सिविल सेवा परीक्षा विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन-से 'राष्ट्रीय पोषण मिशन' के उद्देश्य हैं? (2017)

1. गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं में कुपोषण के बारे में ज़ागरूकता पैदा करना।
2. छोटे बच्चों, किशोरियों और महिलाओं में एनीमिया के मामलों को कम करना।
3. बाजरा, मोटे अनाज और बिना पॉलिश किये चावल की खपत को बढ़ावा देना।
4. पोल्ट्री अंडे की खपत को बढ़ावा देना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये:

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1, 2 और 3
(c) केवल 1, 2 और 4
(d) केवल 3 और 4

उत्तर: A

व्याख्या:

- राष्ट्रीय पोषण मिशन (पोषण अभियान) महिला और बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो आँगनवाड़ी सेवाओं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, स्वच्छ-भारत मिशन आदि जैसे विभिन्न कार्यक्रमों के साथ अभिसरण सुनिश्चित करता है।
- **राष्ट्रीय पोषण मिशन (एनएनएम) का लक्ष्य 2017-18 से शुरू होकर अगले तीन वर्षों के दौरान 0-6 वर्ष के बच्चों, किशोरियों, गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं की पोषण स्थिति में समयबद्ध तरीके से सुधार करना है। अतः कथन 1 सही है।**
- एनएनएम का लक्ष्य स्टंटिंग, अल्पपोषण, एनीमिया (छोटे बच्चों, महिलाओं और किशोर लड़कियों के बीच) को कम करना तथा बच्चों के जन्म के समय कम वज़न की समस्या को दूर करना है। अत: कथन 2 सही है।
- एनएनएम के तहत बाजरा, बिना पॉलिश किये चावल, मोटे अनाज और अंडों की खपत से संबंधित ऐसा कोई प्रावधान नहीं है। अत: कथन 3 और 4 सही नहीं हैं।

अतः विकल्प (a) सही उत्तर है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ayushman-bhav-campaign